देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 227 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
पाकिस्तान की
ओर झुकाव

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 17 दिसंबर 2024

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 09.0°

82924.41

2 विजय दिवस हो गया और खास

7 विलियमसन के शतक से न्यूजीलैंड मजबूत

हमारे सुरक्षा हित आपस में जुड़े हैं: पीएम

भारत और श्रीलंका में रक्षा-ऊर्जा समेत कई समझौते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका ने सोमवार को अपनी साझेदारी का विस्तार करने के लिए एक भविष्यवादी दृष्टिकोण अपनाया है। दोनों देशों ने जल्द ही एक रक्षा सहयोग समझौते को पूरा करने का संकल्प लिया, इसी के साथ बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइनों की स्थापना करके ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने का फैसला किया। दरअसल, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका इस समय भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों देश के नेताओं ने मुलाकात के दौरान व्यापक वार्ता की और कई निर्णय लिए।

मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी के लिए निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर जोर देने का फैसला किया और यह निर्णय लिया गया कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी सहयोग के प्रमुख स्तंभ होंगे। उन्होंने कहा कि बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइनों की स्थापना के लिए काम किया जाएगा, उन्होंने कहा कि भारत द्वीप राष्ट्र के बिजली संयंत्रों को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करेगा।

प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए रामेश्वरम और तलाईमनार के बीच एक नौका सेवा शुरू की जाएगी। मोदी ने कहा, हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि हमारे सुरक्षा हित आपस में जुड़े हुए हैं। हमने रक्षा सहयोग समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का फैसला किया है। हाइड्रोग्राफी पर सहयोग के लिए भी एक समझौता हुआ है। दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई वार्ता में मछुआरों के विवादित मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

पीएम मोदी ने कहा, हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। तमिल मुद्दे का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि श्रीलंका सरकार समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने अब तक श्रीलंका को 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता और अनुदान सहायता प्रदान की है।

भारत ने हमारी काफी मदद की

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा हमने करीब दो साल पहले एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना किया था। उस समय भारत ने हमारा भरपूर समर्थन किया। इतना ही नहीं बाद में भी काफी मदद की, खासकर ऋण मुक्त संरचना प्रक्रिया में। मैं जानता हूं कि श्रीलंका भारत की विदेश नीति में बहुत अहम स्थान रखता है। पीएम मोदी ने हमें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

पीएम मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का जताया आभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति दिसानायके का भारत में स्वागत करता हूं। हमें खुशी है कि राष्ट्रपति के रूप में आपने अपनी पहली विदेश राजकीय यात्रा के लिए भारत को चुना है। आज की यात्रा से हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा का संचार हो रहा है। हमारी साझेदारी के लिए हमने एक भविष्योन्मुखी दृष्टि अपनाई है। हमारे आर्थिक सहयोग में, हमने निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर बल दिया है। हमने तय किया है कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी हमारी साझेदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ होंगे।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भारत से किया बड़ा वादा

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने आज भारत को आश्वासन दिया कि वो अपनी जमीन का किसी भी तरह से हानिकारक इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं करने देंगे। मैं भारत के प्रति अपने निरंतर समर्थन का आश्वासन देना चाहता हूं। श्रीलंका के राष्ट्रपति के इस वादे से दोनों देशों के बीच रिश्तों में और मजबूती होने के आसार हैं। श्रीलंका ने कोलंबो के रुख को दोहराया, जिससे नई दिल्ली को दिया गया उसका वादा आधिकारिक हो गया। नई दिल्ली को कोलंबो का यह आश्वासन ऐसे समय में आया है जब चीन अपने मिशन हिंद महासागर को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है। मिशन को लेकर माना जाता है कि चीन का लक्ष्य भारत है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने किया प्रथम सोलर मेला "सौर कौथिग" का शुभारंभ

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को उत्तराखण्ड के प्रथम सोलर मेले दो दिवसीय 'सौर कौथिग' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना और सोलर वाटर हीटर योजना के लाभार्थियों को अनुदान राशि के चेक प्रदान करने के साथ ही यूपीसीएल मुख्यालय में बनाई गई सौर ऊर्जा आधारित म्यूरल आर्ट का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री ने किया।

वे आज हमें शिक्षा दे रहे हैं: मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को पीएम मोदी पर राज्यों को आरक्षण को लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखे गए पत्र के बारे में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया और माफी की मांग की। खरगे ने कहा, ''जो लोग देश के लिए नहीं लड़े, वे स्वतंत्रता और संविधान का महत्व कैसे जानेंगे?''

भारत में रहेगी राम-कृष्ण और बुद्ध की परंपरा, बाबर औरंगजेब की नहीं

यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बरसे योगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर जमकर हमले किए। सीएम योगी ने कहा कि भारत में राम-कृष्ण व बुद्ध की परंपरा ही रहेगी, बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं चलेगी। संभल को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेश का पालन करना प्रशासन का दायित्व है। प्रशासन संभल में वही कर रहा है। उन्होंने सपा सदस्यों से कहा कि मंदिर को न छेड़कर आपने बड़ी कृपा कर दी, लेकिन 22 कुओं को किसने पाट दिया। आखिर मूर्तियां कैसे मिल रही हैं। नोटिस से परेशानी क्यों हो रही है।

योगी ने कहा कि संभल में तुर्क व पठान का विवाद चल रहा है। शफीकुर्रहमान बर्क (सपा के संभल से पूर्व सांसद) खुद को भारत का नागरिक नहीं, बल्कि बाबर का संतान कहते थे। आपको तय करना है कि आक्रांताओं को अपना आदर्श मानते हैं या राम-कृष्ण, बुद्ध की परंपरा को। भारत में राम-कृष्ण व बुद्ध की परंपरा ही रहेगी, बाबर और औरंगजेब की परंपरा नहीं रहेगी।

विपक्षियों की खिंचाई करते हुए उन्होने कहा कि हम सोच रहे थे कि मिनी स्टेशन पॉवर कॉरपोरेशन चला रहा है, लेकिन संभल में धार्मिक स्थल से बिजली के मिनी स्टेशन संचालित हो रहे हैं। वहां कई मस्जिद ऐसी पाई गईं, जहां अवैध सब स्टेशन बनाकर फ्री में कनेक्शन बांटे गए थे।

सीएम योगी ने कहा कि संभल में 1947 से ही दंगा होता रहा है। हमारी सरकार बनने के बाद कोई दंगा नहीं हुआ है। उन्होंने 2017 से पहले संभल-बहराइच के साथ ही यूपी के अलग अलग जिलों में हुए दंगों का ब्योरा भी विधानसभा में पेश किया। कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का माहौल है।

संभल में सबूत के बाद हो रही गिरफ्तारी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में संभल और बहराइच को लेकर विपक्ष पर जमकर बरसे। सीएम योगी ने कहा कि संभल में कोई गिरफ्तारी बिना सबूत नहीं हुई है। यह भी कहा कि संभल का एक भी पत्थरबाज नहीं बचेगा। सीएम योगी ने विपक्ष के आरोपों का एक-एक कर जवाब दिया।

ईवीएम को कोसना अब बंद करें कांग्रेस

संवाददाता

कोलकाता। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र चुनाव में भी पराजित होने के बाद ईवीएम को कोसने वाली कांग्रेस और शिवसेना को उमर अब्दुल्ला के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी आईना दिखा दिया। इसके साथ ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर भी आईएनडीआईए ब्लॉक में मतभेद सोमवार को और उजागर हो गया। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ईवीएम से छेड़छाड़ के कांग्रेस के दावों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए। उन्होंने ने आरोपों को बेतरतीब बयान बताते हुए खारिज कर दिया और ऐसे दावे करने वालों से भारतीय चुनाव आयोग के सामने हैकिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन करने का आग्रह किया।

अभिषेक ने कहा कि ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए और डेमो कर बताना चाहिए कि वोटिंग मशीन हैक कैसे हो सकती है। अगर वोटिंग के दौरान बूथ पर मॉक पोल और काउंटिंग के दौरान इसकी चेकिंग की जाती है, ऐसे में आरोप नहीं लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ हो नहीं रहा है सिर्फ बयानबाजी हो रही है।

मतभेद

■ईवीएम पर बंटा इंडी गठबंधन, सहयोगी परेशान

नेतृत्व कमाई जाती है: अब्दुल्ला

इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के सवाल पर शुरू हुए कलह पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ सहयोगी दल परेशान हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि कांग्रेस सही से काम नहीं कर रही है। कांग्रेस ऑल इंडिया लेवल की पार्टी है, मगर नेतृत्व दी नहीं जाती, इसे कमाना पड़ता है। कांग्रेस अपनी कमजोरियों का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ना बंद करे।

नेहरू से जुड़े दस्तावेज वापस लौटाएं सोनिया गांधी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के सदस्य रिजवान कादरी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र लिखकर दस्तावेजों को वापस देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज भारत के इतिहास के महत्वपूर्ण पहलू हैं और इन्हें कथित तौर पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के आदेश पर संग्रहालय से वापस ले लिया गया था।

कादरी ने कहा कि उन्होंने सितंबर में सोनिया गांधी को एक पत्र लिखकर उनसे दस्तावेज संस्था को वापस लौटाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा, सितंबर 2024 में मैंने सोनिया गांधी को एक पत्र लिखा था जिसमें अनुरोध किया गया था कि लगभग आठ अलग-अलग खंडों से 51 कार्टून, जो प्रधानमंत्री संग्रहालय में नेहरू संग्रह का हिस्सा थे, या तो संस्थान को वापस कर दिए जाएं या हमें उन्हें स्कैन करने की अनुमति दी जाए या उनकी स्कैन की गई प्रतियां प्रदान की जाएं। इससे हमें उनका अध्ययन करने और विभिन्न विद्वानों द्वारा शोध करने में सुविधा होगी।

■पीएमएमएल ने राहुल गांधी को लिखी चिट्ठी

न्यूज डायरी

असद के जाते ही विदेशी कनेक्शन बढ़ा रहा सीरिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सीरिया में राष्ट्रपति बशर असद के पतन के बाद राष्ट्रों ने सीरिया के नए शासकों के साथ संपर्क प्रयास तेज कर दिए हैं। सीरिया में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत गीर पेडर्सन सीरिया की राजधानी पहुंचने वालों में से एक थे, जहां उन्होंने श्अपराधों के लिए न्याय और जवाबदेहीश पर जोर दिया। गीर पेडर्सन ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि यह एक विश्वसनीय न्याय प्रणाली के माध्यम से हो, और हमारे साथ कोई बदला न हो। संयुक्त राष्ट्र के दूत गीर पेडर्सन ने दमिश्क की यात्रा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि प्रतिबंधों का शीघ्र अंत होगा ताकि हम वास्तव में सीरिया के निर्माण के लिए एक एकजुटता देख सकें। उन्होंने विद्रोही नेता अबू मोहम्मद अल–जोलानी से मुलाकात की। कतर का एक प्रतिनिधिमंडल भी संक्रमणकालीन सरकारी अधिकारियों से मिलने के लिए सीरिया पहुंचा। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अमीरात की आधिकारिक समाचार एजेंसी को बताया, उन्होंने खाड़ी अमीरात की क्रांति की सफलता के बाद सीरियाई लोगों का समर्थन करने की पूर्ण प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। सरकार विरोधी विद्रोह के शुरुआती दौर में बंद होने के 13 साल बाद,कतर का दूतावास मंगलवार को फिर से परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। अमेरिका और अन्य देशों ने विद्रोही समूह को आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। ब्लिंकन पहले ऐसे अमेरिकी नेता हैं जिन्होंने जो बाइडन प्रशासन और विद्रोही समूह हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के बीच संपर्क की सार्वजनिक रूप से पुष्टि की है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया का संयुक्त जांच दल बुधवार को महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति यून सूक येओल को विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों पर तलब करेगा। इसकी जानकारी सोमवार को कई मीडिया संस्थानों ने दी। वहीं, दक्षिण कोरिया की संसद ने राष्ट्रपति यून सुक–योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पास कर दिया। इस प्रस्ताव के लिए हुए मतदान में कुल 300 सांसदों ने हिस्सा लिया। इसमें 204 सांसदों ने महाभियोग के पक्ष में और 85 ने इसके खिलाफ वोट दिया। रिपोर्ट के अनुसार, टीम राष्ट्रपति कार्यालय को एक समन देने वाली थी, जिसमें यून को 18 दिसंबर को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया था। ये यून के मार्शल लॉ लागू करने की जांच का हिस्सा था। टीम में उच्च पदस्थ अधिकारियों के लिए सीआईओ, एनओआई और रक्षा मंत्रालय के जांच मुख्यालय शामिल हैं। यून पर महाभियोग चलाने का दूसरा प्रस्ताव शनिवार को नेशनल असेंबली में पारित किया गया और इसे 180 दिनों तक विचार–विमर्श के लिए संवैधानिक न्यायालय में भेजा गया, जिसके दौरान यून की राष्ट्रपति पद की शक्ति निलंबित रहेगी। यून ने 3 दिसंबर की रात को आपातकालीन मार्शल लॉ घोषित किया, लेकिन कुछ घंटों बाद ही नेशनल असेंबली ने इसे रद्द कर दिया था। जांच एजेंसियों ने विद्रोह के आरोप में संदिग्ध के रूप में यून का नाम लिया था।

शेख हसीना ने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को बताया फासीवादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश विजय दिवस मना रहा है। आज ही के दिन भारतीय सेना और मुक्तिवाहिनी के योद्धाओं ने पाकिस्तानी सेना को हरा दिया था। इसी विजय दिवस की पूर्व संध्या पर बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर एक और तीखा हमला किया। हसीना ने यूनुस पर एक ऐसे अलोकतांत्रिक समूहश का नेतृत्व करने का आरोप लगाया, जिसकी लोगों के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। 'विजय दिवस' की पूर्व संध्या पर एक बयान में हसीना ने यूनुस को श्फासीवादीश कहा और आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व वाली सरकार का मुख्य उद्देश्य मुक्ति संग्राम और मुक्ति समर्थक ताकतों की भावना को दबाना है। बांग्लादेश 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाता है। इस दिन पाकिस्तानी सेना के तत्कालीन पूर्वी कमांड के प्रमुख जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ 13 दिन के युद्ध के बाद भारतीय सेना और 'मुक्ति वाहिनी' की संयुक्त सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

हसीना के सत्ता से हटने के बाद ये विजय दिवस हो गया और खास

विजय दिवस

यूनुस ने बांग्लादेश की पूर्व पीएम पर साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

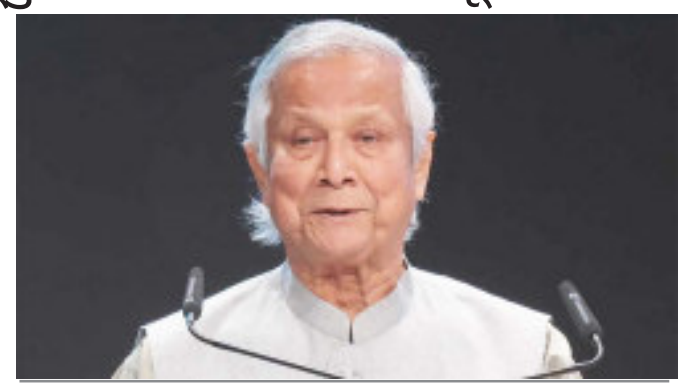

ढाका। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने सोमवार को बांग्लादेश में 54वें विजय दिवस का जश्न मनाया। इस युद्ध के कारण ही 1971 में देश को आजादी मिली थी। उन्होंने कहा कि इस साल का जश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस साल दुनिया की सबसे खराब निरंकुश सरकार को सत्ता से हटा दिया गया है। इस अवसर पर अपने भाषण में यूनुस ने देश के संस्थापक नेता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का जिक्र नहीं किया। विजय दिवस पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण करने की याद में मनाया जाता है। भारत की ऐतिहासिक जीत के कारण बांग्लादेश आजाद हुआ था।

यूनुस और बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अलग–अलग रूप से लाखों मुक्ति संग्राम शहीदों और राजधानी के बाहरी इलाके सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

यूनुस ने हा, मैं उन लाखों शहीदों को याद करता हूं, जिनमें कई बच्चे, किशोर, युवा और बुजुर्ग लोग शामिल हैं, जिनके बलिदान की वजह से हमारी आजादी संभव हो पाई। हालांकि, उनके संबोधन में 1971 के राजनीतिक नेतृत्व और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता रहमान के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया। यूनुस ने कहा, अपनी गलतियों के कारण हम अपनी उपलब्धियों को पूर्णता नहीं दे सके और हाल ही में एक राक्षसी निरंकुश सरकार ने देश पर कब्जा कर लिया है, जिसने वादा किया था कि वह देश को लाभ पहुंचाने वाली किसी भी चीज को नहीं रहने देगी।

उन्होंने कहा, सेना वर्तमान में देश भर में गतिविधियों में लगी हुई है और परेड के आयोजन के लिए अग्रिम तैयारी की आवश्यकता होती है, जो इस वर्ष संभव नहीं थी। लेकिन उन्होंने कहा कि यह उत्सव सभी के लिए समावेशी होगा और देश भर में विजय मेले आयोजित किए जाएंगे, जिनमें कला और शिल्प प्रदर्शनियां, कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी और घरेलू सामानों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूल उत्सव के हिस्से के रूप में अपने स्वयं के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की भागीदारी शामिल होगी, जिससे उत्सव सभी के लिए समावेशी बन जाएगा।

आजम ने कहा, उत्सव के प्रारूप में बदलाव का उद्देश्य अधिक सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी लाना और देश के हर हिस्से में उत्सव का माहौल बनाना है। इस दिन, पाकिस्तानी सेना ने 25 मार्च 1971 को पूर्वी पाकिस्तान कहे जाने वाले क्षेत्र में निहत्थे बंगालियों पर अचानक हमला कर दिया और 1970 के चुनाव परिणामों के अनुरूप सत्ता अवामी लीग को सौंपने के बजाय बंगबंधु को गिरफ्तार कर लिया।

2025 के अंत में या 2026 की शुरुआत में कराए जा सकते हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गठित अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने देश में चुनावों को लेकर बड़ी घोषणा की है। यूनुस ने सोमवार 16 दिसम्बर को कहा कि बांग्लादेश के आम चुनाव अगले साल के अंत में या 2026 की शुरुआत में होंगे।

मोहम्मद यूनुस ने यह घोषणा ऐसे समय में की है, जब बांग्लादेश में आम चुनावों को लेकर राजनीतिक पार्टियों की तरफ से लगातार दबाव बढ़ रहा है। अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री को सत्ता से बेदखल करने वाले छात्र विद्रोह के बाद 8 अगस्त को मोहम्मद यूनुस को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया था।

सोमवार बांग्लादेश के सरकारी टीवी पर देश के नाम अपने संबोधन में यूनुस ने कहा, मोटे तौर पर कहा जाए तो चुनाव 2025 के अंद और 2026 की पहली छमाही के बीच निर्धारित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि सुधारों के पूरे होने के बाद भी चुनाव कराए जाएं। उन्होंने आगे कहा कि अगर राजनीतिक दल सटीक मतदाता सूची जैसे न्यूनतम सुधारों के साथ चुनाव पहले की तारीख पर कराने पर सहमत होते हैं तो यह नवम्बर (2025) के अंत तक हो सकते हैं।

कभी 800 युद्धपोतों वाली सेना के सिर्फ दो विध्वंसक ही ऑपरेशनल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटिश रायल नेवी के सिर्फ दो विध्वंसक पोत ही वर्तमान में ऑपरेशनल हैं। इस खुलासे के बाद पूरे देश में सैन्य तैयारियों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह खबर तब आई है, जब चीन और रूस ने पूरे यूरोप और आर्कटिक में अपनी नौसैनिक उपस्थिति को बढ़ा दिया है। ब्रिटेन नाटो सदस्य देश है और इस कारण उसका रूस के साथ पुराना विवाद भी है। ब्रिटेन की दी गई मिसाइलों से ही यूक्रेन ने रूस के अंदर कई सफल हमले भी किए हैं। रिपोर्ट में ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया गया है कि रॉयल नेवी के विध्वंसक बेड़े में ऐतिहासिक रूप से कमी आई है। इसके छह उन्नत टाइप 45 विध्वंसक जहाजों में से केवल दो ही परिचालन में हैं। शेष जहाजों की व्यापक मरम्मत की जा रही है, जिनमें से चार टाइप 45 जहाज पोर्ट्समाउथ के रिफिट यार्ड में हैं।

ईरान और हिज्बुल्लाह पर कहीं भी, कभी भी करेंगे हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ईरान और हिजबुल्लाह को खुली धमकी दी

यरुशलम। सीरिया में ईरान समर्थित बशर अल–असद के शासन के पतन के बाद इजरायल के हौसले बुलंद हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को ईरान और हिजबुल्लाह को सीधी चेतावनी दी और कहा कि उनका देश पूर्ण विजय हासिल करने के लिए दोनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगा। नेतन्याहू ने एक्स पर शेयर किए गए अपने संबोधन में कहा, मैं ईरान और हिजबुल्लाह से कहता हूं कि हमें नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए हम आपके खिलाफ किसी भी समय, कहीं भी कार्रवाई जारी रखेंगे।

अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए नेतन्याहू ने कहा, श्एक साल मैंने बहुत सीधी बात कही थी कि हम मध्य पूर्व का चेहरा बदल देंगे और हम वास्तव में ऐसा कर रहे हैं। सीरिया पहले जैसा सीरिया नहीं रहा, लेबनान पहले जैसा लेबनान नहीं रहा। गाजा पहले जैसा गाजा नहीं रहा और इस (प्रतिरोध की) धुरी का मुखिया ईरान भी पहले जैसा ईरान नहीं रहा। उन्हें हमारी ताकत का पता चल गया है।

सीरिया में हाल ही में की गई इजरायल की कार्रवाई पर बात करते हुए नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इजरायल की सीरिया से टकराव में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम जमीनी हकीकत के आधार पर अपनी नीति बनाएंगे। दशकों से सीरिया इजरायल का सक्रिय दुश्मन रहा है। यह हम पर लगातार हमले करता रहा है और इसने दूसरों को भी अपनी जमीन से इजरायल पर हमला करने की अनुमति दी।

नेतन्याहू ने आगे कहा कि हाल के दिनों में हमने कई बड़ी कार्रवाई की है। रक्षा मंत्री काट्ज के साथ मिलकर मैंने आईडीएफ को सीरिया से संभावित खतरों को नाकाम करने और आतंकवादी तत्वों को हमारी सीमा के पास पैर जमाने से रोकने का निर्देश दिया। नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह नेता नईम कासिम के भाषण का हवाला देते हुए इजरायली कार्रवाई को असरदार बताया। कासिम ने कहा था कि हिजबुल्लाह ने सीरिया के रास्ते अपना मिलिट्री सप्लाई रूट खो दिया है।

रूस–यूक्रेन युद्ध से भारत की बल्ले–बल्ले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भारत के रक्षा उद्योग के लिए बड़ा मौका बनकर सामने आया है। रूस के आक्रमण के बाद यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी हैं। ऐसे में यूरोपीय देशों में अपनी सेनाओं और कीव की मदद के लिए तोपों की खरीद के लिए विकल्पों पर विचार शुरू हो गया है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कई यूरोपीय देशों ने वैकल्पिक स्रोत के रूप में भारत से तोपों को खरीदने की इच्छा जताई है। रिपोर्ट अनुसार, पोलैंड और स्लोवेनिया के बाद अब रूस के एक और पड़ोसी देश एस्टोनिया इस बात की खोज कर रहा है कि क्या भारतीय कंपनियां देश में विनिर्माण लाइनें स्थापित कर सकती हैं। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हनो पेवुकर ने बताया है कि भारतीय कंपनियां गोला–बारूद के उत्पादन के लिए देश में निवेश करने को इच्छुक हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निस्तारण करने के निर्देश

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जन संवाद कार्यक्रम

जन संवाद

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर फरियादियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 10 शिकायतें दर्ज की गई। जिनमें 04 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया जबकि शेष शिकायतों का निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

विकास भवन सभागार में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के अवसर पर उदयपुर बष्टी के यशवंत सिंह ने बांसवाड़ा–बष्टी मोटर मार्ग के एलएनटी मोटर मार्ग से उदयपुर तोक तक करीब 500 मीटर मोटर मार्ग निर्माण करने की मांग की। कमेड़ा गांव के सूरत सिंह ने प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने, पुनाड वार्ड नं. 06 निवासी सर्वेश्वरी देवी ने नगर पालिका द्वारा उनके आवास का भुगतान न किए जाने

तथा फलासी गांव के मनोज सिंह ने अभी तक उनकी किसान सम्मान निधि न आने के संबंध में प्रार्थना–पत्र दिया। इस तरह आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में कुल विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 10 शिकायतें दर्ज हुई जिनमें 04 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया जबकि शेष शिकायतों के निवारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

डीएम ने उपस्थित अधिकारियों से जन संवाद कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतों पर की जाने वाली कार्यवाही से जिला कार्यालय सहित संबंधित शिकायतकर्ता को भी अनिवार्य रूप से अवगत कराया जाए। साथ ही जिन शिकायतों में स्थलीय निरीक्षण किया जाना है उन्हें भी ससमय निस्तारण कर लिया जाए। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की गई। विभिन्न विभागों से संबंधित एल–1 पर कुल 119 तथा एल–2 पर 31 शिकायतें निस्तारण हेतु अवशेष हैं जिन्हें यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी कल्याणी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, उप जिलाधिकारी आशीष चंद्र घिल्डियाल, ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामप्रकाश, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता अरोड़ा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग मीनल गुलाटी, जल निगम नवल कुमार, जिला शिकायत निवारण केंद्र के सहायक विनोद कुमार, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीण भट्ट सहित उरेड़ा, विद्युत, सिंचाई, पूर्ति, लोनिवि आदि विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं न मनाया विजय दिवस

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को अपने कार्यालय कांवली रोड पर विजय दिवस मनाया। स्मरण रहे कि 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को हराकर आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया था। इस युद्ध में कई लोग शहीद हुए थे समिति के पदाधिकारी ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस युद्ध के बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया समिति ने कहा कि उन शहीदों की कुर्बानी रंग लाई और एक अलग देश अस्तित्व में आया। इस मौके पर उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ,,सुशील विरमानी ,दानिश नूर, प्रदीप कुकरेती ,पारस यादव, विपुल नौटियाल ,जय बेस्ट आदि उपस्थित रहे।

विजय दिवस की 53 वीं वर्षगाँठ का धूमधाम से किया गया आयोजन

संवाददाता अल्मोड़ा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अल्मोडा के तत्वाधान में सोमवार को विजय दिवस की 53 वीं वर्षगाँठ का आयोजन शहीद स्मारक छावनी क्षेत्र में बड़े धूमधाम से किया गया। इस दौरान शहीदों की स्मृति में पुष्पचक्र व श्रृद्धा सुमन अर्पित किये गये। गैरीसन अल्मोडा के सैन्य टुकडी के जवानों द्वारा शहीदों को सलामी दी गई। तदोपरान्त शहीदों के सम्मान में 2 मिनट का मौन रखा गया। समारोह में मुख्य अतिथि मनोज तिवारी, विधायक बारामण्डल अल्मोडा एवं जिलाधिकारी महोदय द्वारा वीर नारियों एव वीर सेनानी को शॉल ओढा कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश के सैनिक हमारे देश की आन बान एवं शान की हिफाजत के लिए न तो राजस्थान की चिलचिलाती गर्मी की परवाह करते हैं और न ही कारगिल की जमा देने वाली सर्दी की। बजाए कठिनाइयों एवं विषम परिस्थितियों की परवाह किए वें हमे एक भयमुक्त एवं सुरक्षित माहौल जीने के लिए देते हैं।

द स्लीप कंपनी ने देहरादून में अपना पहला स्टोर खोलकर उत्तराखंड में कदम रखा

संवाददाता देहरादून। भारत के प्रमुख कम्फर्ट टेक ब्रांड द स्लीप कंपनी (टीएससी) ने आज देहरादून के जीएमएस रोड पर अपना पहला स्टोर खोलने की घोषणा की । डायरेक्ट टु कंज्यूमर (डी2सी) मॉडल पर काम करने वाली कंपनी भारत में अपने विस्तार के मिशन पर है। इस स्टोर के उद्घाटन के साथ ही कंपनी के भारत में 127 स्टोर्स हो गए हैं। देहरादून जैसे खूबसूरत शहर में खुले इस स्टोर में स्मार्टग्रिड टेक्नोलॉजी से बने और पेटेंट कराए गए कई प्रॉडक्ट्स जैसे मैट्रेसेस, स्मार्ट रिक्लाइनर बेड, तकिए, ऑफिस चेयर और रिक्लाइनर सोफा का विशाल संग्रह होगा।

शहीदों के परिवार और 1971 की लड़ाई में शामिल सैनिकों का सम्मान

संवाददाता रुद्रप्रयाग। विजय दिवस की 53वीं वर्षगांठ पर 06 ग्रेनेडियर्स बास्केटबाल प्रांगण में सैनिक कल्याण विभाग की ओर से भूतपूर्व शहीदों को श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहीदों की शहादत की याद में स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा भावुक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा 1971 की लड़ाई में शामिल पूर्व सैनिकों एवं शहीदों के परिवारों का सम्मान भी किया गया।

सिक्स ग्रेनेडियर्स के सौजन्य से छावनी परिषद रुद्रप्रयाग में विजय दिवस की 53वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, सिक्स ग्रेनेडियर्स के कर्नल हितेश वशिष्ठ, पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान 1971 की लड़ाई में शहीद हुए जनपद रुद्रप्रयाग के वीर सपूतों को पुष्पांजलि भेंट कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई।

इस अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुतियां देकर सभी को भावुक कर दिया। अपर जिलाधिकारी ने सभी को विजय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजय दिवस हमारे लिए गर्व का दिवस है इसका इतिहास सभी को जानना चाहिए। उन्होंने स्कूली छात्रों द्वारा कार्यक्रम में दी गई प्रस्तुतियों की भी सराहना की। कर्नल हितेश वशिष्ठ ने छात्र–छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें अभी से देश सेवा के प्रति सम्मान की भावना तथा देश को प्रगृति के पथ पर लेकर जाने का उद्देश्य होना चाहिए। पूर्व सैनिकों के अनुभव से सीख लेने की आवश्यकता है।

नि–क्षय शिविरों में 3715 की हुई जांच

संवाददाता रुद्रप्रयाग। क्षय रोग के खात्में के लिए स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में गत 07 दिसंबर से शुरू हुए 100 दिवसीय नि–क्षय शिविर अभियान के तहत टीबी रोग को लेकर संवेदनशील आबादी में अब तक आयोजित 38 शिविरों में 3715 लोगों की जांच की गई। जिसमें से 492 का एक्स–रे किया गया, जबकि 79 के बलगम की जांच की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 राम प्रकाश ने बताया कि टीबी रोग को लेकर संवदेनशील आबादी (पूर्व टीबी से पीड़ित मरीजों, टीबी रोगियों के घरेलू संपर्कजनों, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों, कुपोषित, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति मधुमेह से पीडित व्यक्तियों) वाले 38 स्थानों में नि–क्षय शिविरो का आयोजन किया गया। इन शिविरों में लक्षित आबादी के 3715 लोगों की जांच की गई, जिनमें से टीबी के पुराने 93 मरीज व उनके संपर्क वाले 295 लोगों की स्क्रीनिंग की गई।

धूमधाम से मनाया गया विजय दिवस शहीदों के परिजनों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

चमोली। जनपद चमोली में सोमवार को विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया। विजय दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में सैनिक कल्याण विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सोविती देवी और मुख्य विकास अधिकारी नंदन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पूर्व आयोजन स्थल पर मुख्य अतिथि सहित अधिकारी व कर्मचारियों ने शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साथ ही एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी।

विजय दिवस के मौके पर जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारत–पाक युद्ध के दौरान

देश के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी नंदन कुमार ने 1971 में भारत और पाकिस्तान युद्ध के मध्य 13 दिनों तक चले युद्ध में भारत ने विजय प्राप्त की। इस विजय के लिए भारत के कई सैनिकों ने बलिदान दिया। उन वीर सेनानियों को याद करते हुए हम उनके बलिदान को श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। कहा कि यह क्षण हमारे लिए भी गौरव का है कि हमें अमर शहीदों के परिजनों को सम्मानित करने का अवसर मिला। सैनिक कल्याण अधिकारी कलम सिंह ने बताया कि इस भारत पाकिस्तान युद्ध में चमोली जनपद के 49 सैनिकों ने अपना जीवन न्योछावर कर देश को विजय दिलाई थी। बताया कि युद्ध में सर्वोच्च योगदान देने के लिए अनुसूया प्रसाद को महावीर चक्र तथा देवेंद्र सिंह कंडारी व मकर सिंह वीर चक्र से सम्मानित किया गया है।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उपजिलाधिकारी चमोली राजकुमार पाण्डेय, मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह सहित पूर्व सैनिक व विभागीय कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय ऋषिकेश योग महोत्सव का समापन

संवाददाता ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय ऋषिकेश योग महोत्सव का सोमवार को समापन हुआ। परमार्थ निकेतन गंगा आरती में सभी प्रतिभागियों और योगाचार्यो ने विश्व शान्ति मंत्रों के साथ ऋषिकेश योग महोत्सव का समापन किया। ऋषिकेश योग महोत्सव में देश–विदेश से योग प्रेमी और जिज्ञासुओं ने सहभाग किया। 20 से अधिक देशों से आए लगभग 200 से अधिक योग साधकों ने योग व ध्यान की विभिन्न विधाओं को आत्मसात किया। योग साधकों ने यहां पर विभिन्न योग शैलियों, ध्यान, प्राचीन शास्त्रों के अध्ययन, गंगा जी की आरती और विशेष यज्ञ में सहभाग किया। ऋषिकेश योग महोत्सव का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। तीन दिनों तक आयोजित इस महोत्सव में सभी ने एक नई ऊर्जा और शांति का अनुभव किया।

पाकिस्तान की ओर झुकाव

इस नई सरकार पर इस्लामिक कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव को लेकर आशंकाएं भी पहले दिन से थीं। लेकिन मोहम्मद यूनुस की अमेरिका से करीबी भी काफी चर्चा में रही। कुछ हलकों में कहा जा रहा था कि उन्हें अमेरिका का परोक्ष समर्थन हासिल है।

रहीस सिंह।।

बांग्लादेश में हालिया सत्ता परिवर्तन के बाद से ही हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों पर होने वाले हमले अंतरराष्ट्रीय चिंता का कारण बने हुए हैं। हैरत की बात है कि बांग्लादेश की कामचलाऊ सरकार इन हमलों को रोकने से ज्यादा दिलचस्पी इनका खंडन करने में लेती दिख रही है। उसका इन हमलों पर आधिकारिक स्पष्टीकरण यह है कि भारत का मीडिया इन हमलों को बढ़ा–चढ़ाकर दिखा रहा है। ऐसे में अमेरिका की यह प्रतिक्रिया खासी अहम हो जाती है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर वह नजर बनाए हुए है और उम्मीद करता है कि वहां सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। बांग्लादेश में जिन हालात में शेख हसीना को इस्तीफा देकर वहां से निकलना पड़ा और मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया गया, उसने कई तरह के सवाल खड़े किए। इस नई सरकार पर इस्लामिक कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव को लेकर आशंकाएं भी पहले दिन से थीं। लेकिन मोहम्मद यूनुस की अमेरिका से करीबी भी काफी चर्चा में रही। कुछ हलकों में कहा जा रहा था कि उन्हें अमेरिका का परोक्ष समर्थन हासिल है। बहरहाल, अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर अमेरिका की ताजा प्रक्रिया आने के बाद इस बात पर नजर बनी हुई है कि उनकी सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है।

अब तक अंतरिम सरकार के रुख ने इन आशंकाओं को मजबूती ही दी है कि उसकी नीतियां न सिर्फ बांग्लादेश के बल्कि पाकिस्तान के भी इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे सकती हैं। इसका ताजा उदाहरण है पाकिस्तानियों और पाकिस्तानी मूल के लोगों को वीजा देने के नियमों में ढील देने का फैसला। अंतरिम सरकार के इस फैसले के मुताबिक अब इन लोगों को बांग्लादेश की यात्रा करने के लिए सिक्योरिटी क्लीयरेंस लेना जरूरी नहीं होगा।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस फैसले से भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ेंगी। वजह यह है कि इससे पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी तत्वों का बांग्लादेश आना आसान हो जाएगा। ध्यान रहे, बांग्लादेश के साथ भारत की 4000 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी–जमात–ए–इस्लामी शासन के दौरान बांग्लादेश में सक्रिय आतंकी तत्वों के कई कारनामे भारत भुगत चुका है।

जाहिर है, पड़ोसी देश का घटनाक्रम भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती पैदा करता दिख रहा है। मसला सिर्फ अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों या वहां की कानून–व्यवस्था की स्थिति तक सीमित नहीं है। अंतरिम सरकार को यह समझना होगा कि हिंदुओं की सुरक्षा के प्रति उदासीनता दिखाना ठीक नहीं है और भारत उसका मित्र देश है।

सूखा खेत

अशोक वोहरा। डॉक्टर ने कहा कि यह तो बहुत ज्यादा समस्या है इन्हीं बुखार काफी ज्यादा है ही नहीं अब तो 1 महीने स्वास्थ्य सही होने में लग जाएंगे। अभी दोनों पति पत्नी में कर सकते हैं कि अगर एक महीने में उनकी तबीयत सही है वह जाएगी तो उसका घर का खर्चा कैसे चलेगा आखिरी 1 महीने तक कौन कमा कर लाएगा और उनका घर चलाएगा। क्योंकि उस साल भी बारिश नहीं हुई थी और उनके खेत में अभी तक सूखा ही था इस कारण से फसल भी नहीं हुई है और तबीयत खराब होने के कारण वह मार्केट भी ठेला लेकर नहीं जा सकता था ऐसे में उसका रहन–सहन बहुत मुश्किल होने लगा था। 10 दिन बीत जाने के बाद उन्होंने देखा कि उनका तबीयत थोड़ा थोड़ा सही हो रहा है लेकिन फिर भी अभी तक हुआ चलने की हालत में मिली तो उन्होंने सोचा कि मेरी तो खेत भी सही नहीं चल रही है। ...शेष कल

धर्म-दर्शन

संपादकीय

अगला लक्ष्य

नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आने के बाद जब शत–प्रतिशत बीजेपी की संकल्पना पर अमल शुरू हुआ तो इसका एक मतलब कांग्रेस के साथ–साथ क्षेत्रीय दलों का सफाया भी था। इसके लिए महाराष्ट्र और यूपी को पायलट प्रॉजेक्ट के तौर पर चुना गया था। बीजेपी ने यूपी में कांग्रेस, बीएसपी को साफ और एसपी को हाफ करने में कामयाबी पा ली है। जहां तक सवाल महाराष्ट्र का है, तो यहां दो ही बड़ी ताकतें थीं शिवसेना और शरद पवार। बीजेपी ने दोनों को तोड़ दिया है। कांग्रेस अपनी ही अंदरूनी बीमारियों से ग्रस्त होकर कमजोर है। ऐसे में अब बीजेपी का अगला लक्ष्य मुंबई महानगरपालिका पर कब्जा करना होगा। मुंबई महानगरपालिका का सालाना बजट करीब 60 हजार करोड़ रुपये होता है, कई राज्यों के बजट से ज्यादा। इसी से इसका महत्व समझ सकते हैं। पिछले 30 साल से इस पर बालासाहेब और उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना का कब्जा है। 2017 तक बीजेपी भी शिवसेना के साथ मुंबई महानगर पालिका की सत्ता में भागीदार रही। 2017 में दोनों पार्टियां अलग–अलग लड़ीं और शिवसेना कुछ सीट के अंतर से बीजेपी से आगे निकल गई।

जब फडणवीस को सीएम पद से हटाकर डिप्टी सीएम बनाया गया तो पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को यह पसंद नहीं आया था। बीजेपी ने उसी गलती की भरपाई की।

इस वजह से हुई देरी

अभिमन्यु शितोले।।

बीजेपी के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बन कई रेकॉर्ड बना दिए हैं। वह तीसरी बार इस पद पर बैठने वाले पहले गैर–कांग्रेसी नेता हैं। उन्होंने ठश्रच की तरफ से भी सबसे ज्यादा बार मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं के क्लब में एंट्री कर ली है। इस क्लब में अभी तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिवराज सिंह चौहान, अर्जुन मुंडा और बीएस येदियुरप्पा ही थे।

विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही तय था कि फडणवीस को मुख्यमंत्री बनना है। संघ उनके समर्थन में था। पीएम नरेंद्र मोदी उनके समर्थन में थे। चुनकर आए ज्यादातर विधायक उनके समर्थन में थे। यहां तक कि बीजेपी नेतृत्व वाले गठबंधन महायुति में शामिल दल एनसीपी (अजित पवार), शिवसेना (एकनाथ शिंदे), आरपीआई (रामदास आठवले), सब फडणवीस के फेवर में थे। फिर भी फडणवीस की ताजपोशी में 13 दिन लग गए। इसकी सबसे बड़ी वजह रही महायुति में मंत्री पदों के पोर्टफोलियो का बंटवारा तय नहीं हो पाना।

एकनाथ शिंदे बीजेपी का सीएम बनाने को तो तैयार थे, लेकिन खुद डिप्टी सीएम बनने में हिचक रहे थे। साथ ही, वह अपनी पार्टी के लिए गृह, राजस्व और नगर विकास जैसे

महत्वपूर्ण मंत्रालय मांग रहे थे। बीजेपी गृह मंत्रालय छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। इसी बीच शिंदे बीमार हो गए और अपने गांव चले गए। इससे यह मेसेज गया कि वह नाराज हैं। इसी दरम्यान बीजेपी ने घोषणा कर दी कि महाराष्ट्र की नई सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को होगा और 4 दिसंबर को विधायक दल की बैठक में पार्टी अपना मुख्यमंत्री चुनेगी। यह एक तरह से शिंदे के लिए अल्टीमेटम भी था। इसका असर हुआ। शिंदे गांव से लौटे, अपना इलाज भी कराया और सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ी।

बीजेपी में भी फडणवीस को फिर से मुख्यमंत्री बनाने को लेकर ऊहापोह की स्थिति थी। सोशल इंजिनियरिंग का गणित उलझा हुआ है। महाराष्ट्र में मराठा डॉमिनेट करते हैं, वहीं ओबीसी भी बड़ी ताकत हैं। दलित खासकर महाराष्ट्र का नवबौद्ध संगठित और राजनीतिक रूप से जागरूक है। ऐसे में क्या राज्य को फडणवीस के रूप में ब्राह्मण सीएम दिया जाए, यह चर्चा राजनीतिक सर्कल में आम थी। देवेंद्र फडणवीस के पक्ष में उनकी मेहनत, 132 सीटों की बंपर जीत, उनके विरोध में किसी के खुलकर न बोल पाने की मजबूरी और संघ का समर्थन रहा। रिजल्ट के दूसरे ही दिन फडणवीस नागपुर संघ मुख्यालय में सरसंघचालक मोहन भागवत से मिलने गए थे। दूसरी बात यह थी कि फडणवीस के अलावा बीजेपी के पास ऐसा कोई और नेता नहीं था, जो तीन दलों की सरकार का सक्षम नेतृत्व कर सके। लिहाजा बीजेपी नेतृत्व ने सोशल इंजिनियरिंग करने के बजाए मेरिट पर फैसला लिया।

जब फडणवीस को सीएम पद से हटाकर डिप्टी सीएम बनाया गया तो पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को यह पसंद नहीं आया था। बीजेपी ने उसी गलती की भरपाई की। फिर, जिस नेता के नेतृत्व में प्रचंड जीत मिली, अगर उसे सीएम न बनाया जाता तो कार्यकर्ताओं के मनोबल पर असर पड़ता। देवेंद्र को दिल से मेहनत करने का इनाम मिला है।

अष्टयोग-5083

4	1			2		3
	35	6	30	1	32	7
7	5		3		4	
	29	2	31	4	31	
2	4				6	
	29		40	5	34	6
5	1	3		7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5082 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	39	1	29	6	26	5
5	6	7	1	2	3	4
4	30	2	25	1	34	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

अगले चुनाव का इंतजार

मोहन। 2017 के बाद से मुंबई महानगरपालिका समेत महाराष्ट्र की 51 महानगर पालिकाओं के चुनाव नहीं हुए हैं। मामला ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण का फंसा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में केस चल रहा है। पिछले चार–पांच साल से राज्य सरकार ही आईएएस अफसरों को प्रशासक नियुक्त कर इन महानगर पालिकाओं पर राज कर रही है। अब अगर चुनाव का रास्ता साफ हुआ तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना को खत्म करने के लिए बीजेपी सबसे पहले मुंबई महानगर पालिका पर कब्जा करना चाहेगी। उसकी मदद के लिए एकनाथ शिंदे की शिवसेना तो है ही। पार्टी के भीतर भी मराठा और ओबीसी नेता इसे हवा दे रहे थे। हालांकि बीजेपी और फडणवीस आने वाले दिनों में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी को सत्ता व राजनीति में कितना स्पेस देंगे, यह देखना दिलचस्प होगा।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने शादी की दूसरी सालगिरह पर पति पर लुटाया प्यार

देवोलीना भट्टाचार्जी मां बनने वाली हैं। घर–आगन में कभी भी किलकारियां गूंज सकती हैं। मगर उसके पहले वह अपने पति शहनवाज शेख के साथ शादी की दूसरी सालगिरह मना रही हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और पति पर प्यार लुटाया है। एक्ट्रेस ने 14 दिसंबर, 2022 को कोर्ट मैरिज की थी। और सबको चौंका दिया था। देवोलीना भट्टाचार्जी ने इंस्टाग्राम पर अपनी तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जो उनके जीवन के खास पलों की पहली झलकियां हैं। यानी उन्होंने जो मैटरनिटी शूट करवाया था। उसकी एक फोटो। दूसरी फोटो शादी की और तीसरी उनकी डेटिंग टाइम की। इसमें दोनों एकदम कम उम्र के नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ देवोलीना भट्टाचार्जी ने कैप्शन में लिखा, मेरे चट्टान, मेरी खुशी और मेरी हर चीज को–शादी की सालगिरह मुबारक शोनू। हमारा प्यार हमेशा खिलता रहे। इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट इमोजी बनाई और शहनवाज को टैग किया। इस पोस्ट पर लोगों ने रिएक्ट किया। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और वहां अपने फोटोज और रील्स शेयर करती रहती हैं। अब देवोलीनी की एनिवर्सरी पर दलजीत कौर ने लिखा, शादी की सालगिरह मुबारक। एक्टर विनीत रैना ने लिखा, हैपी एनिवर्सरी देवी शानू। वहीं, फैंस ने भी कपल को सालगिरह की शुभकामनाएं दीं।

राज कपूर की 100वीं जयंती पीएम नरेंद्र मोदी ने किया याद

भारतीय सिनेमा जगत के श्ग्रेट शो मैनश राज कपूर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि दी। हाल ही में पीएम मोदी से कपूर फैमिली ने मुलाकात की थी। कपूर परिवार ने पीएम मोदी को राज कपूर की 100वीं जयंती पर आयोजित फेस्टिवल पर आने का न्यौता दिया था। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने राज कपूर के योगदान का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि राज कपूर अपने समय से बहुत आगे थे, उन्होंने अपनी कहानियों के जरिए दुनिया भर के लोगों के बीच भारत को श्सॉफ्ट पावर के रूप में स्थापित किया। राज कपूर की 100वीं जयंती पर उनके योगदान की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। लिखा, आज हम महान फिल्मकार, दूरदर्शी फिल्मकार, अभिनेता और सदाबहार शोमैन राज कपूर की 100वीं जयंती मना रहे हैं। उनकी प्रतिभा ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और भारतीय और वैश्विक सिनेमा पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

रेखा ने अमिताभ बच्चन के नाती को किया प्यार–दुलार

राज कपूर की 100वीं जयंती के मौके पर कपूर परिवार ने एक फिल्म महोत्सव की शुरुआत की। जहां राज कपूर की 10 सबसे यादगार फिल्में अलग–अलग शहरों में दिखाई जाएंगी। इस मौके पर शुक्रवार रात एक कार्यक्रम हुआ जिसमें पूरा कपूर परिवार शामिल हुआ। यहां तक की फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर हस्तियां भी यहां पहुंचीं। दिग्गज एक्ट्रेस रेखा भी सज–धजकर पहुंचीं और उन्होंने अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा को गले लगाया। आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी, करीना कपूर खान, रणधीर कपूर, करिश्मा कपूर, सैफ अली खान सहित कई सेलेब्स नजर आए। सेलिब्रेशन के लिए इंडस्ट्री के कई लोग पहुंचे। रेखा, कार्तिक आर्यन, राजकुमार हिरानी, महेश भट्ट समेत कई स्टार्स ने चमक बिखेरी। जहां रेड कार्पेट के सभी पलों ने सभी का ध्यान खींचा, वहीं हर किसी का ध्यान अगस्त्य नंदा और रेखा पर पड़ा। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें रेखा को अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा को गले लगाते देखा जा सकता है और फिर बेहद प्यार से वह उनके गाल पर अपना हाथ रख देती हैं। बदले में, अगस्त्य ने उन्हें गले लगाने के बाद नमस्ते किया। इस वीडियो में सिकंदर खेर भी नजर आए। वीडियो के कमेंट बॉक्स लोगों ने जया बच्चन को घसीटा है और उनके मीम्स भी शेयर किए हैं।

प्रियंका चोपड़ा के लिए विदेश की धरती पर गाया गया देसी गर्ल गाना

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक में डंका पीट रहीं प्रियंका चोपड़ा को जेद्दा में आयोजित रेड सी फिल्म फेस्टिवल में भ्वदवतंतल ूतक दिया गया। सारा जेसिका पार्कर के हाथों उन्हें ये अवॉर्ड मिला। इसी इवेंट में प्रियंका चोपड़ा ने ये भी बताया कि जब वो काम की तलाश में हॉलीवुड पहुंचीं तो उनसे क्या कहा गया था। प्रियंका को रेड कार्पेट पर देखकर वहां मौजूद लोग उनके हिट गाना– देसी गर्ल गाते सुनाई दे रहे थे। रेड सी फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड पाकर खुश प्रियंका ने अपने परिवार को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने दिवंगत पिता अशोक चोपड़ा को याद किया और अपने हसबैंड सिंगर निक जोनस की जमकर तारीफ की।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सारा जेसिका पार्कर प्रियंका चोपड़ा की तारीफ में बोलीं

जेद्दा में आयोजित फिल्म फेस्टिवल में प्रियंका को Honorary award से सम्मानित किया गया। प्रियंका को यह अवॉर्ड एक्ट्रेस सारा जेसिका पार्कर के हाथों मिला। सारा ने कहा, असाधारण प्रियंका चोपड़ा जोनस को रेड सी ऑनरेरी अवॉर्ड देना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस इवेंट में प्रियंका को निक ने स्टेज तक पहुंचाया। अवॉर्ड पाकर प्रियंका बोलीं, बहुत–बहुत धन्यवाद सारा जेसिका, आप हममें से बहुतों के लिए एक आइकन हैं। मेरे और मेरे पिछले कई साल के काम के बारे में इतने अच्छे शब्द कहने के लिए समय निकालना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

प्रियंका ने नन्हन इंग्लिश फिल्मों को लेकर कही बात की याद

अपने करियर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इस जर्नी की शुरुआत में बताया गया था कि नॉन इंग्लिश फिल्में इंटरनैशनल लेवल पर नहीं चलतीं। उन्होंने कहा, जब मैंने काम करना शुरू किया, तब मैं 18 साल की थी। मुझे याद है कि मुझे बताया गया था कि, मैं एक ऐसे इंडस्ट्री से आती हूं जहां हिंदी और तेलुगू, नॉन इंग्लिश फिल्में बनती हैं। मुझे याद है कि जब मैं काम की तलाश में विदेश पहुंची तो मुझे बताया गया था कि सबटाइटल वाली फिल्में या नॉन इंग्लिश फिल्में नहीं चल पाती हैं। फिर भी, आज हम यहां हैं।

प्रियंका ने दिया शानदार भाषण, जीता सबका दिल

प्रियंका ने आगे कहा, आप दुनिया भर के फिल्ममेकर्स और कहानीकारों के लिए एक सेफ और बेहतरीन जगह दी है, जहां वे नैशनलिटी और भाषा की सीमाओं के बारे में सोचे बिना एक साथ आ सकते हैं। हम काम करने वाले लोगों के रूप में जानते हैं, मैं और पक्षपाती हो सकती हूं, लेकिन दुनिया के सबसे बेहतरीन, सबसे इनक्रेडिबल इंडस्ट्री में से एक में, हमें जीने के लिए एक्टिंग करने का मौका मिलता है, हमें जीने के लिए कहानियां बताने का मौका मिलता है, हमें जीने के लिए सपने देखने का मौका मिलता है। आप सिनेमा के इस लाजवाब मीडियम से जश्न मनाने के लिए लोगों को सीमाओं, भाषाओं से बाहर एक साथ लाने में सक्षम रहे हैं।

प्रियंका ने पति पर बरसाया प्यार

निक जोनास को लेकर भी प्रियंका ने दिल खोलकर बातें की। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार को उनके शानदार सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मेरे वंडरफुल हसबैंड यहां हैं, वो मुझे नीचे ले जाने के लिए इंतजार कर रहे हैं, वो जेंटलमैन हैं।

अल्लू अर्जुन के घर लौटते ही दौड़कर लिपट गई पत्नी स्नेहा

तेलुगू एक्टर अल्लू अर्जुन एक रात जेल में बिताने के बाद शनिवार सुबह अपने हैदराबाद स्थित घर पर परिवार से मिले। जेल से बाहर निकलने के बाद, वह सीधे अपने पिता के ऑफिस गीता आर्ट्स गए। एक्टर के घर पहुंचते ही उनकी पत्नी उनसे आकर लिपट गईं और भावुक हो गईं। साथ ही बच्चे भी दौड़कर आए।

पत्नी और बेटी से दोबारा मिलने के उनके कई वीडियो भी सामने आए हैं। जैसे ही अल्लू अर्जुन अपनी कार से बाहर निकले, उनके परिवार के सदस्य उनकी ओर दौड़ पड़े। पीटीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी उन्हें गले लगाते हुए भावुक होती दिख रही हैं। उनका बेटा अयान उनकी ओर दौड़ा और बाद में अभिनेता को अपनी बेटी अरहा को गोद में उठाकर गले लगाते देखा गया।

अल्लू अर्जुन से लिपट गईं पत्नी

पुष्पा एक्टर ने अपनी मां और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। वीडियो में उन्हें घर में आने से पहले एक बुजुर्ग महिला के पैर छूते हुए भी दिखाया गया है। घर पहुंचते ही अल्लू अर्जुन ने मीडिया को संबोधित किया और फैंस को उनकी भलाई का आश्वासन दिया। उन्होंने उनके अटूट समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया।

जेल से निकलते ही क्या बोले अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन ने कहा, श्मैं ठीक हूं और फैंस को मेरे बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं कानून और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करता हूं। मामला अदालत के अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए मैं इस स्तर पर अधिक कमेंट नहीं कर सकता। मैं अदालत की कार्यवाही का सम्मान करता हूं। मैं प्यार और समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद देता हूं। मैं अपने सभी फैंस को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं और सहयोग करूंगा। मैं एक बार फिर परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। यह दुर्भाग्यपूर्ण था।

अल्लू अर्जुन जेल से रिहा

अल्लू अर्जुन को शनिवार को चंचलगुडा सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें संध्या थिएटर में उनकी फिल्म पुष्पा 2: द रूल के प्रीमियर के दौरान एक महिला की मौत के मामले में 13 दिसंबर को अंतरिम जमानत दे दी।

घर पर बन जाता है मांस चढ़ाने वाला बेस्ट व्हे प्रोटीन

जिम जाने वाले लोग बाजार का व्हे प्रोटीन लेते हैं। लेकिन किडनी पर इसके कुछ साइड इफेक्ट देखने को मिल सकते हैं। इन नुकसानों से बचने के लिए डॉक्टर ने घर पर व्हे प्रोटीन बनाने का तरीका बताया है। जो मसल्स और वजन बढ़ाने के लिए बेस्ट है।

बॉडी बिल्डर्स प्रोटीन पर बहुत ध्यान देते हैं। मसल्स को बढ़ाने के लिए डाइट में व्हे प्रोटीन भी जोड़ते हैं ताकि इस मैक्रो न्यूट्रिएंट की कमी न हो पाए। मगर इनकी देखा–देखी जिम जाने वाला हर आदमी व्हे प्रोटीन लेने लगता है। जो कि किडनी पर खतरनाक प्रभाव डाल सकता है। डॉक्टर निशांत गुप्ता बताते हैं कि आजकल 18–19 साल के जिम जाने वाले कई सारे बच्चे उन्हें देखने को मिलते हैं, जिनकी किडनी फेल हो चुकी है। क्योंकि बाजार में मिलने वाले व्हे प्रोटीन में कई सारे चीजें ऐसी होती हैं, जिनका अत्यधिक सेवन शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। हर किसी को बॉडी बिल्डर के बराबर प्रोटीन की जरूरत नहीं होती है। अगर आप फिर भी व्हे प्रोटीन लेना चाहते हैं तो इसे घर पर ही बना सकते हैं। जिम जाने वाले सामान्य लोगों के लिए यह दुनिया का बेस्ट व्हे प्रोटीन है, जो हेल्दी वेट गेन में मदद करेगा।

किडनी के लिए खतरनाक है बाहर का व्हे प्रोटीन

डॉक्टर के अनुसार बाजार में मिलने वाले अलग–अलग ब्रांड के व्हे प्रोटीन किडनी को नुकसान कर सकते हैं। जब किडनी इसे अवशोषित करती है तो यूरिया बनाती है। अक्सर यह यूरिया पूरी तरह पेशाब के द्वारा निकल नहीं पाता और किडनी को खराब करने लगता है।

घर पर व्हे प्रोटीन बनाने का तरीका

डॉक्टर ने घर पर ही व्हे प्रोटीन बनाने का तरीका बताया। उनके मुताबिक दूध से पनीर बनाएं। पनीर बनने के बाद जो पानी बच जाए, उसका सेवन करें। क्योंकि कैसिइन प्रोटीन पनीर में चला जाता है और इस पानी के अंदर खालिस व्हे प्रोटीन होता है।

व्हे प्रोटीन लेने के फायदे

व्हे प्रोटीन मसल्स की ग्रोथ को तेज करता है। यह शरीर का वजन बढ़ाता है और ताकत में बढ़ोतरी करता है। कुछ शोध में इसे हाई बीपी और डायबिटीज को कंट्रोल करने वाला भी पाया गया है। यह पेट को देर तक भरा रखता है।

दूध पीने से मिलेगा व्हे प्रोटीन

डॉक्टर निशांत गुप्ता के मुताबिक हर किसी के लिए दूध पीना आवश्यक है। दूध पीने से व्हे प्रोटीन मिलता है। क्योंकि इसके अंदर करीब 80 प्रतिशत कैसिइन प्रोटीन होता है और 20 प्रतिशत व्हे प्रोटीन होता है।

पैंक्रियाज को ठप्प कर सकता है खाना बनाने का गलत तरीका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डायबिटीज की शुरुआत इंसुलिन में खराबी से होती है। जब पैंक्रियाज कम इंसुलिन बनाने लगता है तो ब्लड शुगर बढ़ने लगता है। कभी–कभी शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल भी नहीं कर पाता है। आमतौर पर अगर पैंक्रियाज को हेल्दी रखा जाए तो यह इंसुलिन का उत्पादन पर्याप्त मात्रा में करता रहता है।

पैंक्रियाज क्या होता है?

पैंक्रियाज पेट के पीछे मौजूद एक ग्लैंड होती है। यह इंसुलिन हॉर्मोन और एंजाइम का उत्पादन करती है। इसे हेल्दी रखकर डायबिटीज से बचा जा सकता है और जिन लोगों को शुगर की बीमारी है, वो छुटकारा पा सकते हैं। खाना खाने का गलत तरीका पैंक्रियाज को खराब कर सकता है। यह इसके फंक्शन को बिगाड़ सकता है। जिस कारण इंसुलिन बनना कम हो सकता है और खून में ग्लूकोज बढ़ने लगता है। आइए जानते हैं कि पैंक्रियाज को हेल्दी रखने के लिए किस तरह खाना पकाना चाहिए?

पैंक्रियाज के लिए हेल्दी कुकिंग

पैंक्रियाज को हेल्दी रखने के लिए खतरनाक फैट्स से दूर रहना चाहिए। आजकल की डाइट में प्रोसेस्ड और जंक फूड बहुत ज्यादा हैं। इनके अंदर हाई सैचुरेटेड फैट होता है। साइटेकेयर हॉस्पिटल की जानकारी के मुताबिक डॉ. राघवेंद्र बाबू ने कहा कि पैंक्रियाज

को हेल्दी रखने के लिए उबालकर, स्टीम करके या बेकिंग जैसे कुकिंग के तरीके अपनाने चाहिए। इस तरह खाना पकाने में फैट से भरे तेल की मात्रा कम हो जाएगी।

शराब से रहें बिल्कुल दूर

खाना बनाने के तरीके के अलावा आपको शराब से दूर रहना चाहिए। शराब को पैंक्रियाज खराब करने वाला सबसे बड़ा कारण माना जाता है। यह इस ग्लैंड के कामकाज को बिगाड़ सकता है और ये ना भूलें कि शराब की एक भी बूंद कैंसर का कारण बन सकती है।

लो फैट फूड खाएं

पैंक्रियाटाइटिस इस ग्लैंड की बीमारी है, जो डायबिटीज भी कर सकती है। यह बीमारी पित्त की पथरी के कारण हो सकती है, जो कि हाई फैटी फूड खाने से हो सकता है। इसलिए खाने में लो फैट फूड खाएं, जैसे चिकन ब्रेस्ट, अंडे का सफेद भाग, क्विनोआ, टोफू, फल आदि।

हाई फाइबर फूड लें

ताजे फल, हरी सब्जी, फलियां, दाल, साबुत अनाज से फाइबर मिलता है। यह आंतों और पाचन को सुधारते हैं। जो कि फैट या दूसरे हानिकारक तत्वों को शरीर में बढ़ने से शुरू में ही रोक देता है। ध्यान रखें कि अधिकतर बीमारी की शुरुआत पेट से ही होती है।

शारीरिक मेहनत करें

पैंक्रियाज को सही रखने के लिए वजन कंट्रोल रखें और मोटापे से दूर रहें। इसके लिए हर दिन कम से कम 30 मिनट अच्छी शारीरिक गतिविधि रखें। जिससे शरीर का हर अंग बेहतर तरीके से काम करने लगता है।

खांसी से आराम के लिए अपनाएं किचन में रखी लौंग जैसी ये चीजें

वैसे तो खांसी टीबी, फेफड़ों में कैंसर और अस्थमा जैसी बीमारियों का संकेत भी होती है हालांकि अगर आपको मौसम चेंज होने के कारण यह समस्या हो गई है तो इससे छुटकारा पाने के लिए घरेलू उपाय को फॉलो कर सकते हैं। अगर आपको बलगम वाली खांसी है और इसकी वजह से दर्द या बेचौनी महसूस हो रही है तो इससे बचाव करने के लिए देसी घी और काली मिर्च को मिक्स करके इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आपको तुरंत राहत मिलेगी। कई बार ऐसा होता है कि खांसी से संक्रमित व्यक्ति का खांस–खांस कर बुरा हाल हो जाता है और वह जब भी खांसता है तो सीटी की आवाज आती है, जिसे कुकर खांसी भी कहा जाता है। अगर सिरप या दवा लेने के बाद भी आपको आराम नहीं मिल रहा है तो जब भी आपको खांसी महसूस हो अदरक के टुकड़ों पर नमक लगा लें और इसको मुंह में रख सकते हैं। आप इसे चबाकर भी खा सकते हैं। तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज पाई जाती है, जो बदलते मौसम में होने वाले फ्लू से बचाती है। वहीं लौंग एंटीवायरल, एंटी माइक्रोबियल और एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से खांसी जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इस घरेलू नुस्खे को अपनाने के लिए कुछ तुलसी के पत्तों, काली मिर्च और एक चम्मच लौंग के पाउडर को पानी में डालकर उबालें और जब यह आधा हो जाए तो छा कर इसे चाय की तरह पी लें। इस काढ़े से आपको काफी हद तक आराम मिलेगा।

गूगल पर आम का अचार बनाने की रेसिपी क्यों खोज रही पूरी दुनिया?

फर्मेंटेड अचार में नेचुरली विटामिन के, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं। इसका सेवन करने से हमारी हड्डियां मजबूत बनती है। यह बोन डेंसिटी को बनाए रखने में सहायक होते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे से बचाते हैं। हमारी त्वचा के लिए भी अचार फायदेमंद है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो एंटी एजिंग के रूप में कार्य करते हैं। अधिकतर अचार फल या सब्जियों के बनते हैं, जिनमें कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं।

अचार में मौजूद मसाले हमारे मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद होती है। फर्मेंटेड अचार हमारे पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। इसे खाने से काफी देर तक भूख नहीं लगती और एक्स्ट्रा कैलोरीज का सेवन कम करते हैं। फैट को डाइजेस्ट करने में सिरका मदद करता है। इसे खाने से शरीर में जमा हुआ फैट कम होता है। हमेशा ऐसा अचार खाने का प्रयास करें, जिसमें कम मात्रा में नमक और तेल का इस्तेमाल किया हो।

ठंड में गर्मागरम चाय–कॉफी से बढ़ न जाए कैंसर का खतरा

चाय–कॉफी ही नहीं, हॉट चॉकलेट से लेकर गर्म पानी, सूप या दूसरी हॉट ड्रिंक्स पीते हुए भी यह गलती नहीं करनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक एकदम गर्म चाय–कॉफी पीने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसके बारे में डॉक्टर और शोधकर्ताओं की राय भी मिली जुली है। रिपोर्ट में इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के हवाले से बताया गया है कि 65 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म ड्रिंक इंसानों के लिए संभावित रूप से कार्सिनोजेनिक हो सकती हैं। यानी इतनी गर्म चाय या कॉफी से स्टमक कैंसर या इंटेस्टाइनल कैंसर का खतरा हो सकता है। ड्रिंक का बहुत ज्यादा तापमान खाने की नली को थर्मल डैमेज पहुंचा सकती है। यह नुकसान पेट और आंतों तक जा सकता है। क्लिवलैंड क्लिनिक हेल्थ एसेंशियल स्टडी कहती है कि ऐसी ड्रिंक्स से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट खराब हो सकती है। धीरे–धीरे यह समस्या टिश्यू में कैंसर बना सकती है। पुणे स्थित रूबी हॉल क्लिनिक की कंसल्टेंट ऑन्कोसर्जन डॉ. जैसमिन अग्रवाल कहती हैं कि कैंसर के खतरे के पीछे ड्रिंक नहीं, बल्कि उसका तापमान असली वजह है। सामान्य गर्म चाय–कॉफी पीने से कैंसर का खतरा नहीं होता। साथ ही इस टॉपिक पर अभी कम शोध हुए हैं। खतरे को कम करने के लिए हॉट ड्रिंक्स को पीने से पहले थोड़ा ठंडा होने दें। यही एकमात्र बचने का रास्ता है। चाय–कॉफी पीने से पहले उसे फूंक मारकर भी ठंडा किया जा सकता है।

इंग्लैंड पर हार का संकट

इंग्लैंड के पास मैच ड्रॉ कराने के लिए दो दिन का समय है, लेकिन उसके लिए ये भी मुश्किल लग रहा है। इंग्लैंड ने अपने दो विकेट खो दिए हैं। इस टीम ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को विकेट खो दिए हैं। जैक क्रॉली और बेन डकेट दोनों ही बल्लेबाज पवेलियन लौट गए हैं। क्रॉली ने पांच रन बनाए। बेन डकेट चार रन ही बना सके। पहली पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज बुरी तरह से फेल हुए थे और 143 रनों पर ढेर हो गए थे। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 347 रन बनाए थे।

केन विलियमसन के शतक से न्यूजीलैंड मजबूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। केन विलियमसन के शानदार शतक के दम पर न्यूजीलैंड ने हेमिल्टन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड पर शिकंजा कस लिया है। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 658 रनों का विशाल टारगेट दिया है जिसके जवाब में अंग्रेजों ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 18 रन बनाकर दो विकेट भी खो दिए हैं। स्टंप्स तक जैकब बैथेल नौ रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ जो रूट हैं जिन्होंने अभी तक एक भी गेंद नहीं खेली है। इंग्लैंड की टीम अभी भी टारगेट से 640 रन पीछे है। केन विलियमसन ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में 156 रन बनाए। अपनी इस पारी में विलियमसन ने 204 गेंदों का सामना करते हुए 20 चौके और एक छक्का मारा है। न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन की शुरुआत तीन विकेट के नुकसान पर 136 रनों के साथ की। रचिन रवींद्र ने विलियमसन का साथ दिया और 44 रन बनाए। 235 के कुल स्कोर पर मैथ्यू पॉट्स ने उन्हें आउट कर दिया। डेरिल मिचेल ने फिर विलियमसन का साथ दिया। दोनों ने मिलकर 102 रनों की साझेदारी की। मिचेल 84 गेंदों पर सात चौके और दो छक्के मार 60 रन बनाने में सफल रहे। 327 के कुल स्कोर पर विलियमसन की पारी का अंत शोएब बशीर ने कर दिया।

न्यूज डायरी :

जेसन गिलेस्पी ने धोखेबाज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लगाई लताड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने सोमवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए कई बड़े खुलासे किए। गिलेस्पी ने पीसीबी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बोर्ड ने पूरी तरह से उन्हें अंधेरे में रखा जिसकी वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। पीसीबी के साथ गिलेस्पी का करार 2026 तक का था, लेकिन उन्होंने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि बोर्ड और उनके बीच संवादहीनता के कारण उन्हें लगने लगा था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी जरूरत नहीं है। यही कारण है कि मैंने अपना पद छोड़ने का फैसला लिया। गिलेस्पी ने एबीसी स्पोर्ट से कहा, पाकिस्तान क्रिकेट में चुनौतियां तो बहुत थी, लेकिन मैं कुछ करने के इरादे से वहां गया था। मुझे पता था कि पाकिस्तान ने बहुत कम समय में बहुत सारे कोच बदले हैं। मैं चाहता था कि मुख्य कोच होने के नाते चयनकर्ताओं से मेरा सीधा और स्पष्ट संवाद हो।श उन्होंने कहा, श्मुझे हाई परफार्मेंस कोच नहीं रखने को लेकर भी पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया। पीसीबी ने हाई परफार्मेंस कोच टिम नीलसन के करार का नवीनीकरण नहीं किया जिन्हें गिलेस्पी लेकर आए थे। गिलेस्पी ने कहा, श्टिम नीलसन को बताया गया कि उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले भी बहुत कुछ हुआ लेकिन इस घटना के बाद मुझे लगने लगा कि मेरी जरूरत है भी या नहीं। गिलेस्पी ने बाबर आजम को लेकर कहा, बहुत लोगों का मानना है कि बाबर क टीम से बाहर किं जाने के पीछे मेरा हाथ था, लेकिन यह पूरी तरह से गलत है।

आकाशदीप ने फेंकी भयंकर खराब गेंद, गुस्से में लाल हो गए पंत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी प्लेइंग–11 में दो बदलाव किए। इसमें से एक बदलाव हर्षित राणा की जगह आकाशदीप को टीम में शामिल करना था। आकाशदीप ने इस मैच की पहली पारी में गेंदबाजी तो कुछ खास नहीं की। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसी खराब गेंद फेंकी कि ऋषभ पंत गुस्से में लाल हो गए। आकाश दीप को सिर्फ एक विकेट मिला। उन्होंने 29.5 ओवरों में पांच ओवर मेडन फेंके और 95 रन देकर एक विकेट लिया। हालांकि, उन्होंने काफी अहम विकेट लिया। आकाशदीप ने एलेक्स कैरी को पवेलियन की राह दिखाई जिन्होंने 88 गेंदों पर सात चौके और दो छक्कों की मदद से 70 रनों की पारी खेली। आकाशदीप के सामने एलेक्स कैरी ही थे। उन्होंने रनअप लिया और गेंद फेंकी, लेकिन ये गेंद काफी खराब थी। आकाशदीप की ये गेंद ऑफ स्टंप की तरफ पिच के बाहर चली गई। विकेटकीपर ऋषभ पंत ने इसे रोकने की कोशिश की और डाइव मारी। वह गेंद को पूरी तरह से कलेक्ट तो कर नहीं पाए, लेकिन गेंद को चौके के लिए नहीं जाने दिया। डाइव मारकर जब पंत उठे तो उनके चेहरे पर गुस्सा साफ देखा जा सकता था। इसे अंपायर ने वाइड बॉल करार दिया। आकाशदीप भी अपनी इस गेंद से काफी निराश थे। कमेंटेटरों को भी यकीन नहीं हुआ कि आकाशदीप ने ये गेंद कैसे फेंक दी।

जसप्रीत बुमराह पर नस्लीय टिप्पणी करने वाली कमेंटेटर ने मांगी माफी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ब्रिस्बेन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की। इस पारी में बुमराह ने पांच विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ बुमराह की एक बार फिर हर कोई तारीफ करने लगा, लेकिन कमेंट्री के दौरान ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा गुहा ने भारतीय गेंदबाज पर नस्लीय टिप्पणी करते हुए उन्हें नर वानर बता दिया था। गुहा ने अब इस मामले पर स्पष्टीकरण दिया है और माफी भी मांगी है। गुहा ने कहा था कि बुमराह मोस्ट वेल्यूएबल प्लेयर हैं। इससे आगे गुहा ने कहा, वह सबसे मूल्यवान प्राइमेट (नर वानर) हैं। गुहा निशाने पर आ गईं और लोगों ने उनकी जमकर आलोचना की। गुहा तक ये बात पहुंची और अब उन्होंने टीवी पर आकर इसे लेकर माफी मांगी है। गुहा ने इसे लेकर शो में माफी मांगी। इस शो के होस्ट ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एण्डम गिलक्रिस्ट थे और इस पर भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री भी मौजूद थे। गुहा ने कहा, कल कमेंट्री में मैंने एक ऐसे शब्द का उपयोग किया जिसका मतलब कई तरह से निकाला जा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई कहर से परेशान भारतीय बल्लेबाजों को बारिश ने बचाया

क्रिकेट

समय से पहले दिन का खेल खत्म करने की घोषणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ब्रिस्बेन टेस्ट मैच में टीम इंडिया एक बार फिर परेशानी में है। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने उसे जमकर परेशान किया है और रन बनाना मुश्किल कर दिया। हालांकि, बारिश के कारण मेहमान टीम को थोड़ी राहत मिली। बारिश ने मैच के तीसरे दिन सोमवार को लगातार दखल दिया और फिर आखिरकार समय से पहले दिन का खेल खत्म करने की घोषणा कर दी गई। भारत ने दिन का अंत अपनी पारी में चार विकेट के नुकसान पर 51 रनों के साथ किया। अगर बारिश नहीं आती तो भारत के और ज्यादा विकेट गिर सकते थे।

टीम इंडिया अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 394 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। उसके लिए ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने शतक जमाए। हेड ने 152 और स्मिथ

ने 101 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने 71 रनों की पारी खेल टीम को मजबूत स्कोर दिया। भारत के लिए तरफ से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट अपने नाम किए।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत सात विकेट के नुकसान पर 405 रनों के साथ की थी। बुमराह ने मिचेल स्टार्क को आउट कर मेजबान टीम को दिन का पहला झटका दिया। स्टार्क सिर्फ 18 रन ही बना सके। इस बीच कैरी ने अपना अर्धशतक पूरा किया। फिर बारिश आ गई। कुछ देर खेल रुका रहा। बारिश रुकने के बाद दोबारा खेल शुरू हुआ। मोहम्मद सिराज ने नाथन लियोन को दो रनों के निजी स्कोर पर आउट कर उनकी पारी का अंत किया। इसके बाद आकाशदीप ने एलेक्स कैरी को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी समेट दी। उन्होंने 88 गेंदों का सामना कर सात चौके और दो छक्के मारे।

टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर लड़खड़ा गया। मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर की दूसरी गेंद पर यशस्वी को आउट किया। पहली गेंद पर यशस्वी ने चौका मारा और फिर अगली गेंद पर आउट हो गए। स्टार्क ने ही अपने अगले ओवर में शुभमन गिल की पारी का अंत किया। गिल भी एक रन ही बना सके। विराट कोहील मैदान पर आए तो उम्मीदें लेकर, लेकिन निराश कर चले गए। जोस हेजलवुड ने उन्हें अपना शिकार बनाया। इसके बाद भारत ने ऋषभ पंत का विकेट खो दिया जो पैट कमिंस का शिकार बने। भारतीय पारी के 15वें ओवर में फिर इंद्रदेव बरसे और मैच रुका। इसके बाद दिन का खेल खत्म करने का एलान कर दिया गया।

जायसवाल के लिए मास्टरप्लान बनाकर आए थे स्टार्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने पर्थ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शानदार शतक जमाया था। इस पारी के बाद यशस्वी की जमकर तारीफ हुई थी। इसी दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पर एक कमेंट किया था और तब से ये खूंखार तेज गेंदबाज जायसवाल के पीछे पड़ गया है। एडिलेड के बाद अब ब्रिस्बेन टेस्ट में भी स्टार्क ने यशस्वी को आउट किया वो भी एक मास्टर प्लान से। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में पहली ही गेंद पर स्टार्क ने यशस्वी को आउट किया था। इसके बाद दूसरी पारी में यशस्वी ने शतक जमाया। उम्मीद थी कि एडिलेड में भी यशस्वी अच्छी पारी खेलेंगे खेलेंगे, लेकिन पहली पारी में स्टार्क ने उनके डंडे बिखेर दिए थे। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में स्टार्क ने जिस तरह से जायसवाल को आउट किया था कुछ उसी तरह से ब्रिस्बेन में आउट किया। तब जायसवाल एलबीडब्ल्यू हुए थे और इस बार कैच आउट।

बारिश की वजह से धुला गाबा टेस्ट तो कैसे डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची रोहित ब्रिगेड?

■ खराब रोशनी और बूंदाबादी के चलते खेल समाप्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा मैच ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जा रहा है। गाबा में खेले जा रहे इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 445 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम का टॉप ऑर्डर बुरी तरह फ्लॉप रहा। अभी भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से पहली पारी में 394 रन से पीछे है। ब्रिस्बेन के तीसरे दिन बारिश ने काफी खलल डाला, ऐसे में भारतीय टीम की टेंशन बढ़ गई है। अगर गाबा टेस्ट बारिश की वजह से धुल जाता है तो भारत कैसे डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच पाएगा।

दरअसल, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह हासिल करने की दौड़ तेज हो गई है, जिसमें चार टीमें, दक्षिण अफ्रीका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच कड़ी टक्कर जारी है। फिलहाल, दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी तालिका में पहले स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और भारत क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। बता दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया मौजूदा पांच मैचों की सीरीज खेली जा रही हैं, जिसमें दो टेस्ट के बाद स्कोर सीरीज 1–1 की बराबरी पर है। 14 दिसंबर से शुरू हुआ गाबा टेस्ट मैच में बारिश का खतरा बना हुआ है, जहां तीसरे दिन के खेल में बारिश की वजह से काफी दिक्कतें हुई। भारतीय टीम ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 51/4 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम की पहली पारी 445 रन पर सिमटी। अब अगर बारिश की वजह से गाबा टेस्ट रद्द हो जाता है तो कैसे भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई कर सकती है, ये सवाल हर किसी के जहन में है।

अगर भारत मेलबर्न और सिडनी टेस्ट जीतता है, तो वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालिफाई करेगा, बिना किसी दूसरी टीम पर निर्भर करें हुए। अगर भारत सीरीज 2–1 से जीतता है, तो श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्हाइटवॉश से बचना होगा। अगर भारत सीरीज 2–2 से ड्रॉ करता है, तो श्रीलंका को किसी भी अंतर से ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में हराना होगा। अगर भारत सीरीज 1–1 से ड्रॉ करता है, तो श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ड्रॉ या जीत दर्ज करनी होगी। अगर भारत सीरीज किसी भी अंतर से हारता है, तो वह डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगा।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, मंगलवार, 17 दिसंबर 2024 पेज 8

महाकुम्भ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए स्वामी चिदानन्द सरस्वती।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनता दर्शन/जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 107 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें अधिकतर शिकायतें भूमि विवाद, अवैध अतिक्रमण,आपसी विवाद, विद्युत, पूर्ति विभाग सिंचाई, सड़क आदि सम्बन्धित प्राप्त हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता दर्शन जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को अपने विभाग से सम्बन्धित शिकायतों के निस्तारण की सूचना शिकायत पटल को उपलब्ध कराने को भी निर्देशित किया।

उत्तराखंड के मनीष, गुजरात की उर्वशी बेस्ट फाइटर बनी

संवाददाता देहरादून। इंडियन कॉम्बैट लीग सीजन–8 में मनीष सिंह और उर्वशी बेस्ट फाइटर बने। परेड ग्राउंड के बैडमिंटन हॉल में सोमवार को खिताबी मुकाबले खेले गए। मुख्य अतिथि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और टाइटिल बेल्ट देकर सम्मानित किया। फाइनल मुकाबले में टाइटिल बेल्ट और इनामी राशि के लिए 14 खिलाड़ियों के बीच सात मुकाबले हुए। जिसमें उत्तराखंड के खिलाड़ियों 3 टाइटिल बेल्ट पर कब्जा जमाया। माहरा ने दून में पहली बार आयोजन के लिए आयोजन समिति की सराहना की।

वरिष्ठ भाजपा नेत्री विनोद उनियाल ने की मेयर के लिए दावेदारी

संवाददाता देहरादून। दून नगर निगम के मेयर पद सामान्य रहने के बाद भाजपा में तमाम दावेदार खड़े हो गए हैं। सभी ने अपने स्तर से इसके लिए जोर आजमाइश शुरू कर दी है। वहीं राज्य स्तरीय महिला उद्यमिता परिषद की उपाध्यक्ष व टिहरी स्मृति एवं विस्थापित एकता मंच की अध्यक्ष विनोद उनियाल ने ने भी मेयर पद के लिए दावेदारी पेश कर दी है।

उत्तराखंड में पीटीए शिक्षकों की कीमत पर भर्ती किए जाएंगे नेपाली टीचर

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गणेश गादियाल ने कहा कि धामी सरकार प्रदेश में पीटीए शिक्षकों के पद समाप्त कर अब नेपाली शिक्षकों को भर्ती करने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह बात वक्त सामने आई है, जब उत्तराखंड में शीघ्र ही राष्ट्रीय खेल होने जा रहे हैं। उन्होंने सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। सोमवार को मीडिया को जारी एक बयान में गोदियाल ने कहा कि जिन भाषाओं को सीखकर बच्चे भविष्य में कोई रोजगार पा सकें।

धूल से फूल बनाना और धूल में मिलाना भी जानते हैं हम: सीएम

विजय दिवस

■ 1971 भारत– पाकिस्तान युद्ध, विजय दिवस समारोह में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विजय दिवस के अवसर पर गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने के लिए 1971 के युद्ध में भारत के लगभग 39 सौ जवान शहीद हुए, वही बांग्लादेश अब सांप्रदायिक ताकतों के बहकावे में आकर हमारे देश के खिलाफ अपशब्द बोल रहा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और हिंसा ने मानवता के मूल्यों पर गहरा आघात किया है।

सोमवार को गांधी पार्क में आयोजित विजय दिवस समारोह में अपने संबोधन की शुरुआत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ की। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर

सिंह धामी ने कहा कि भारतीय सैनिकों ने 1971 के युद्ध में न केवल राष्ट्र की अखंडता और स्वाभिमान की रक्षा की बल्कि अपने अद्वितीय रण कौशल द्वारा दुश्मन को चारों खाने चित्त भी कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 में पाकिस्तान के साथ लड़ा गया यह युद्ध स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जो प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है। 1971 के युद्ध में हमारी सेना ने विश्व को दिखा दिया कि भारत न केवल अपनी संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर मानवता और न्याय की रक्षा के लिए भी खड़ा हो सकता है। इस युद्ध में हमारी तीनों सेनाओं ने मात्र 13 दिनों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था।

मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के मौजूदा हालातों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की चिंता है। उन्होंने कहा कि छोटी – छोटी घटना पर कैंडिल मार्च के साथ ही संसद बाधित करने वाले अब पूरी तरह गायब हैं। ये कौन लोग हैं जिन्हें केवल वोट के लिए बांग्लादेश का नरसंहार तक नहीं दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने अपनी चिंताओं से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अवगत करा दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत हमेशा से शांति और सहिष्णुता का पक्षधर रहा है, लेकिन हमारी सद्भावना को हमारी कमजोरी समझने की भूल नहीं की जानी चाहिए। हम अगर "धूल से फूल" बनाना जानते हैं तो हम "धूल में मिलाना" भी जानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भी पीएम मोदी के मार्गदर्शन में सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर विशिष्ट अवसर पर उत्तराखंड की चिंता करते हैं। भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि विभिन्न देशों को रक्षा सामग्री निर्यात करने में भी नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की प्रमुख सैनिक शक्ति बन गया है। आज 70 से अधिक देशों को रक्षा निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में शहीदों के याद में सैन्य धाम बनकर तैयार हो गया है, जल्द ही सैन्य धाम का लोकार्पण होने जा रहा है।

इस मौके पर शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए साबित किया है कि दुनिया में यदि कोई भी ताकत भारत को आंख दिखाने का काम करेगी तो भारत उसे सबक सिखाना भी जानता है।

वीरांगनाओं और वीर माताओं को निःशुल्क बस यात्रा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं और वीर माताओं को भी परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की घोषणा की है। समारोह के अंत में मुख्यमंत्री ने 1971 युद्ध के वीर सैनिकों और वीर नारियों का भी सम्मान किया।

पशुओं में उत्पादकता बढ़ाए जाने को करें नस्लवार लक्ष्य निर्धारित

बैठक

■अपर मुख्य सचिव ने की उत्तराखण्ड पशुधन विकास परिषद की गवर्निंग बॉडी की बैठक

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड पशुधन विकास परिषद की गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने बोर्ड की वार्षिक प्रगति पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को छोटे किसानों के साथ ही बड़े किसानों को भी इस क्षेत्र में प्रोत्साहित किए

जाने की बात कही ताकि किसानों का व्यावसायिक दृष्टिकोण विकसित हो और योजना के उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि गौ एवं महिष वंशीय पशुओं में मात्रात्मक एवं गुणात्मक आनुवंशिक सुधार लाए जाने हेतु समग्र दृष्टिकोण अपनाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों में गर्भधारण दर को बढ़ाए जाने एवं उसकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्र के लिए भी लक्ष्य निर्धारित किए जाएं।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि पशुओं में उत्पादकता बढ़ाए जाने हेतु नस्लवार लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्वदेशी नस्लों को संरक्षण देने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में किसानों की प्रतिभागिता सुनिश्चित किए जाने हेतु हाईब्रिड मॉडल को अपनाया जा सकता है, ताकि किसानों की आय में भी बढ़ोत्तरी हो और स्वदेशी नस्लें भी संरक्षित रह सकें।

बैठक के दौरान बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 1804 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र हैं। बताया गया कि प्रदेश के 6 जनपदों (अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, पौड़ी, टिहरी एवं उत्तरकाशी) में बद्री गाय संरक्षण एवं संवर्द्धन कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

हरीश रावत ने विजय दिवस पर सेना की गौरवगाथा को किया सैल्यूट

संवाददाता देहरादून। विजय दिवस के अवसर सोमवार को गोष्टी का अयोजन दीन दयाल पार्क, सड़क संसद मे किया गया। उपरोक्त गोष्टी मे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शहीदो को नमन कर अपनी संवेदनाये प्रकट करते हुए कहा कि 1971 का विजय दिवस देश के इतिहास व भारतीय उपमहाद्वीप का भुगोल बदलने वाला इतिहास रहा। तत्कालीन भारतीय प्रधान मंत्री इन्दिरा गाँधी त्वरित व दृढ़ निर्णय व जनरल मानिक शाह, जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा सहित हमारे सेना के अदमय साहस व शौर्य का दिवस है। पाकिस्तान के 90 हजार सैनिकों ने आत्मसमपर्ण कर दिया था। उन्होने कहा कि अमेरिका के सातवें बेड़े को भेजने की धमकी के आगे भी इन्दिरा गांधी अड़िग रही।

आज जो कुछ बगंलादेश मे हो रहा है जिस प्रकार से हिन्दुओं के पर अत्याचार हो रहे है उस पर प्रधानमंत्री व केन्द्र सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए व अपने अर्न्तराष्ट्रीय सम्बन्धों कुटनीति का भी प्रयोग करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।